



मानव अधिकार प्रोटेक्शन आर्गनाइज़ेशन

H.Q.: DELHI (INDIA)

REGD. WITH GOVT. OF N.C.T. OF DELHI, CENTRAL R. NO. S-56392 UNDER ACT GOVT. OF INDIA
ADMN. OFF.:B-1202, G.D.Farms, Mayur Vihar-III, Delhi-110096, M-09810530449 (Helpline)

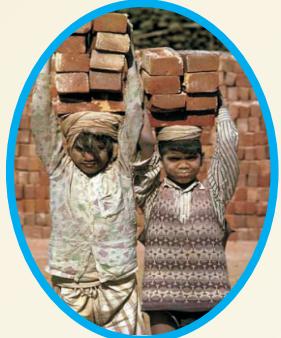
क्या अधिकार की मांग के साथ कर्तव्य पालन आवश्यक नहीं?
क्या समाज के प्रति हमारा कोई उत्तरदायित्व नहीं?

यदि हाँ,

Contribute
For
Nation

तो हर व्यक्ति हमारी इस मुहिम का अहम हिस्सा है

बाल मजदूरी



बलपूर्वक वैश्यावृत्ति



पेशेवर शिखारीपन



समाज के लिए अभिशाप है बाल मजदूरी

बच्चे परिवार, समाज, राज्य और देश के भविष्य होते हैं, लेकिन तब जब परिवार, समाज, राज्य और देश उन्हें सारी सुविधाएं उपलब्ध करायें और उनकी सेवा में तत्पर रहें, किन्तु जब यही बच्चे १४ वर्ष से कम उम्र में ही अपने परिवार के सदस्यों के भरण-पोषण के लिए हाड़तोड़ मेहनत करने को मजबूर हो जाये तो उन्हें परिवार, समाज, राज्य का देश का भविष्य कैसे कहा जा सकता है? देश में मेहनत मजदूरी कर परिवार के सदस्यों को सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले बाल श्रमिकों की संख्या में दिन-प्रतिदिन वृद्धि होती जा रही है।



THEY NEED YOUR SUPPORT

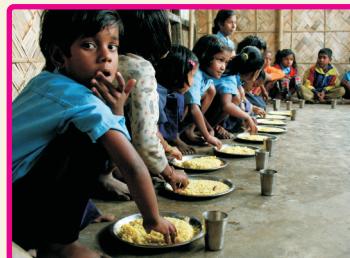
Contribute
For
Nation

देश में ६ करोड़ से अधिक बच्चे बाल मजदूरी करते हैं और इतने ही लोग देश में बेरोजगार हैं। सस्ती मजदूरी की वजह से बाल मजदूरी बढ़ रही है, लेकिन उन लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है जिनके पास कोई काम नहीं होता। गरीबी और बाल-मजदूरी का मुख्य कारण अशिक्षा है।

बाल-मजदूरी दुनियाभर की समस्या है लेकिन भारत में बाल-मजदूरों की दशा सबसे अधिक खराब है। “मानव अधिकार प्रोटेक्शन ऑर्गेनाईज़ेशन” का उददेश्य ऐसे बच्चे जिनका बचपन बाल-मजदूरी की वजह से बरबाद हो रहा है, उन्हें सुरक्षा, सम्मान और शिक्षा दिलाना है।

इसके तहत निम्न अभियान चलाये जा रहे हैं:-

भ्रोजन



शि
क्षा



आ
वास



जबरन कराई जाने वाली वेश्यावृति के प्रति उठाये गये ठोस कदम



रोक

Contribute
For
Nation

मुकित



जबरन कराई जाने वाली वेश्यावृति के प्रति “मानव अधिकार प्रोटेक्शन् ऑर्गेनाइज़ेशन” ने इसकी रोकथाम के लिए जिला स्तर पर पुर्नवास केन्द्र खोलने की मुहिम छेड़ी हैं जहां पर इस पेशे से मुक्त करायी गयी बच्चियों व महिलाओं को शिक्षा, रोजगार व भोजन मुहैया कराया जायेगा तथा उनके मानसिक विकास के लिए योग की शिक्षा भी दी जायेगी।

- पुर्नवास -

भोजन



शि
क्षा



रोजगार



लाचारों की आड़ से प्रजापत्रों पेशेवर भिखारियों की जड़ से समाप्ति



अपंगों व लाचारों की आड़ में पेशेवर भिखारियों द्वारा समाज में फैलाये जा रहे उत्पीड़न व शोषण को को जड़ से समाप्त करने के लिए “मानव अधिकार प्रोटेकशन् ऑर्गेनाइज़ेशन” ने पूर्णतया: अपंग लोगों के लिए विशेष संरचनात्मक ढाचा तैयार किया है। गौरतलब है कि आम तौर पर देखे गये सौ भिखारियों में से मात्र दो से चार को वास्तविक रूप में भीख की आवश्यकता है अन्यथा बाकी भिखारी भीख की आड़ में शोषण तथा अपराध के जनक होते हैं। संस्था इसके लिए वास्तविक रूप में लाचारों के लिए जिला स्तर पर “संरक्षण केन्द्र” खोल रही है जिससे कि पेशेवर भिखारियों द्वारा ली जाने वाली अपंगों एवं लाचारों की आड़ पूर्ण रूप से समाप्त हो जायेगी।



Contribute
For
Nation



जीवन यापन हेतु आश्यकताएँ



दोटी, कपड़ा और मकान